मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 186, मुंबई, बुधवार, 31 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

कमाल आर. खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

पुलिस ने मुंबई एयरपोर्ट से किया था गिरफ्तार

सांाददाता / मुंबई। एक्टर और फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान को बोरीवली कोर्ट ने मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक में भेज दिया है। दो साल पुराने केस में मुंबई पुलिस ने कमाल को एयरपोर्ट से अरेस्ट किया था। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

ऋषि और इरफान के निधन के बाद किए थे विवादित ट्वीट

सेक्शन 294 के तहत दर्ज हुआ था मामला

मिठाइयों की ट्रे पर लिखना पड़ेगा 'बेस्ट बिफोर'

त्योहारों पर एफडीए ने जारी किया दिशा-निर्देश

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। आज से गणेशोत्सव की धूम शुरू हो जाएगी। इस त्योहार में मोदक आदि मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में मिठाइयो की गुणवत्ता को लेकर एफडीए ने दुकानदारों को कड़े निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं, दुकानों में ट्रे पर सजी मिठाइयों के सामने 'बेस्ट बिफोर' की तारीख लिखना अनिवार्य किया है। एफडीए ने दुकानदारों के साथ ग्राहकों को भी 'बेस्ट बिफोर' की तारीख देखकर ही मिठाइयां खरीदने की अपील की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

तबेले का दूध पांच रुपये महंगा, मुंबईकरों पर मंहगाई की मार

1 सितंबर से नई दरें लागू

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। तबेले का ताजा दूध 1 सितंबर से 5 रुपये महंगा हो जाएगा। मुंबई दूध उत्पादक संघ (द बॉम्बे मिल्क प्रॉडक्ट्स असोसिएशन) ने पशु पालन को खर्चीला बताते हुए 73 से 78 रुपये प्रति लीटर होलसेल कीमत कर दी है। इस पर दो रुपये ट्रांसपोर्ट खर्च और लगेगा। यानी सीधे 80 रुपये प्रति लीटर होलसेल प्राइज हो जाएगी। फुटकर में तबेले का यही ताजा दूध 83 से 85 रुपये प्रति लीटर आम आदमी को मिलेगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बैठक में तबेला मालिकों ने बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए कीमतें बढ़ाने की मांग की। कहा गया कि दुधारू पशुओं के खाद्य पदार्थ महंगे हो गए हैं

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

गिरता रुपया

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा का निरंतर अवमूल्यन हमें कुछ चौंकाता है और सोचने पर भी मजबूर करता है। डॉलर का मूल्य भारतीय मुद्रा में 80.11 रुपये हो गया है। जाहिर है, यह रिकॉर्ड गिरावट है, जिसको रोकने की कोशिश के बावजूद कामयाबी नहीं मिल रही। जो अर्थव्यवस्थाएं मूलभूत रूप से मजबूत होती हैं, उनको हर हाल में फायदा होता है, जैसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था या अमेरिकी डॉलर को तुलनात्मक रूप से हो रहा है। रुपये के मूल्य में गिरावट का असर सीधे आम लोगों पर नहीं पड़ता, मगर उद्योग जगत या विशेष रूप से डॉलर में आयात-निर्यात करने वालों पर भार बढ़ता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की विकास दर अभी दो प्रतिशत भी नहीं है, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था छह प्रतिशत से ज्यादा की गति से बढ़ने लगी है। इसके अलावा, आगामी वर्ष में जहां भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढेगी, वहीं अमेरिकी रफ्तार में कमी आने की आशंका है, लेकिन डॉलर महंगा हो रहा है। इससे विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्था के अंतर को भी समझा जा सकता है। डॉलर के मुकाबले यूरो और पाउंड में भी गिरावट है। हालांकि, चीनी मुद्रा कुछ फायदे में दिखती है। एक डॉलर का मूल्य चीनी मुद्रा में 6.92 युआन है। चीनी मुद्रा मजबूत है, क्योंकि चीन पर अमेरिकी निर्भरता ज्यादा है। सवाल यह उठता है कि डॉलर का भाव इस बार क्यों बढ़ा है? दरअसल, अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने वहां मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के लिए कुछ और समय तक ऊंची ब्याज दरों को बनाए रखने के संकेत दिए हैं। इसका मतलब है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध नकदी या निवेश में कमी आएगी, पर उसकी मांग बढ़ जाएगी। इसी का नतीजा है कि रुपया पिछले सत्र के करीब 79.87 की तुलना में 80.11 प्रति डॉलर हो गया है। अमेरिका में महंगाई 8.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जबकि भारत में 6.7 प्रतिशत की दर से। जाहिर है, अमेरिकी अर्थव्यवस्था मुश्किल दौर से गुजरने के बावजूद आधारभूत रूप से सशक्त है और वहां से चलने वाला धन पूरी दुनिया पर असर डालता है। चूंकि लंबे समय तक अमेरिका में उच्च ब्याज दर रहने वाली है, इसलिए अमेरिका के निवेशक व्यापार को विस्तार देने में अभी हिचकेंगे। यही कारण है कि अनेक देशों के शेयर बाजारों में बिकवाली का दौर है। ध्यान देने की बात है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक इस साल ब्याज दरों में चार बार बढ़ोतरी कर चुका है और अगले महीने फिर बैठक होनी है। अमेरिकी डॉलर इस वर्ष अब तक रुपये के मुकाबले सात प्रतिशत चढ़ा है, तो ऐसा नहीं है कि अमेरिका बहुत फायदे में हो और भारत बडे. नुकसान में। फिर भी भारत को अपनी मूलभूत मजबूती को बढ़ाना चाहिए, ताकि यहां से विदेशी निवेश का पलायन न हो। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत विकट समय है। कच्चे तेल के भाव में फिर बढ़त दिख रही है, तो इससे भारत में ईंधन के दाम बढ़ सकते हैं। अभी महंगाई को नियंत्रित करने और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से लोगों को बड़ी उम्मीदें हैं। आज महंगाई और रुपये के मूल्य में स्थिरता पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है, क्योंकि भारत के विकास की रफ्तार तेज हो रही है। उद्योग जगत को पूरा जोर लगाना चाहिए, ताकि आम आदमी की तकलीफें न बढ़ें। भारत सरकार अपनी ओर से क्या उपाय करती है, उससे परे भारतीय रिजर्व बैंक को ज्यादा सक्रियता दिखानी चाहिए।

चुनाव हार जाना गुनाह नहीं है

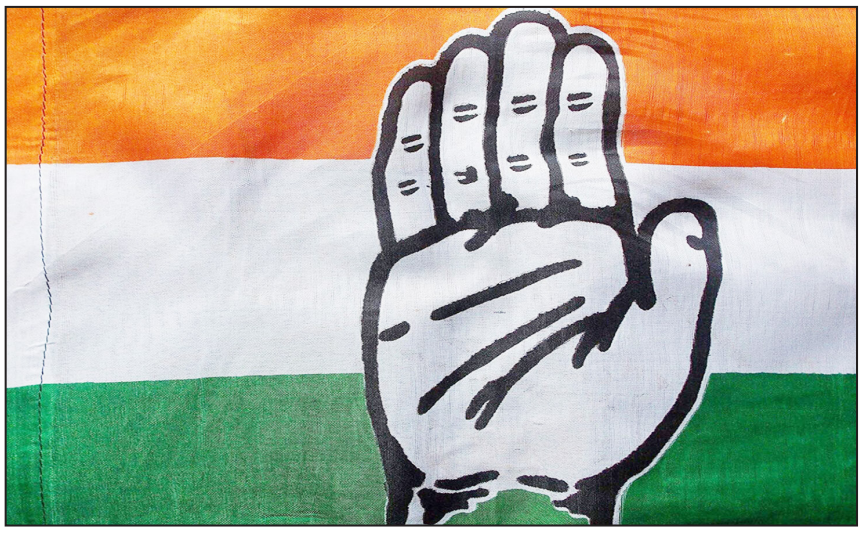

यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि आज हर आदमी उसकी कमियां बता रहा है, सुधार कोई नहीं सुझा रहा है। यह भी दुर्भाग्य है कि लोग या तो कांग्रेस के संपूर्ण विरोध में खड़े हैं या संपूर्ण समर्थन में। कांग्रेस की स्थिति पर तार्किक विचार का स्पेस खत्म हो गया है। गुलाम नबी आजाद ने भी कांग्रेस छोड़ी तो पांच पन्नों की चिट्ठी लिख कर कांग्रेस की कमियां बताईं। उन्होंने कोई समाधान नहीं बताया, जबकि वे पांच दशक तक कांग्रेस से जुड़े रहे हैं और कांग्रेस के दो सबसे करिश्माई नेताओं- इंदिरा और राजीव गांधी के साथ काम किया है। इससे पहले भी कांग्रेस के जो नेता पार्टी छोड़ कर गए, उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति सिर्फ अपनी भड़ास निकाली और यह बताया कि उन्होंने पार्टी के लिए कितना कुछ किया है। बिना किसी अपवाद के सबने यह कहा कि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। लेकिन चुनाव हार जाना कोई गुनाह है, जैसे चुनाव जीत जाना ही राजनीति की सार्थकता नहीं है। इसलिए किसी पार्टी का चुनाव हारना उसको छोड़ने का पर्याप्त कारण नहीं हो सकता है। हैरानी की बात है कि कांग्रेस के नेता पार्टी के चुनाव हारने की मिसाल देकर पार्टी छोड़ रहे हैं और मीडिया से लेकर सामान्य नागरिकों की चचाओं में भी इसको सही ठहराया जा रहा है। गुलाम नबी आजाद ने भी कहा कि पिछले आठ साल में कांग्रेस दो लोकसभा और 39 विधानसभा चुनाव हारी है। पार्टी लगातार चुनाव हार रही है तो क्या वे पार्टी छोड़ देंगे?

उन्होंने अपने आसपास भी देखना जरूरी नहीं समझा कि कितनी पार्टियां लगातार चुनाव हार रही हैं फिर भी उनके नेता पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं। देश की कम्युनिस्ट पार्टियों ने सैकड़ों चुनाव हारे होंगे। 2004 के लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद लगातार उनकी सीटें घट रही हैं और एक एक करके पार्टी राज्यों की सत्ता से बाहर हो गई है। फिर भी कहीं यह सुनने को नहीं मिला कि उसके नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। इक्का-दुक्का अपवाद हों तो वह अलग बात है। भारतीय जनसंघ और भाजपा लगातार चुनाव हारते रहे हैं। भाजपा का गठन 1980 में हुआ था और अगले लोकसभा चुनाव में वह सिर्फ दो सीटें जीत पाई थी। इसके बावजूद उसके नेता पार्टी छोड़ कर नहीं भाग रहे थे। वे चुनाव जीतने का रास्ता तलाश रहे थे।

अगर और मिसाल देखनी है तो ब्रिटेन की लेबर पार्टी को देख सकते हैं। लेबर पार्टी 2010 से विपक्ष में है। पिछल 12 साल से वह चुनाव हार रही है। उससे पहले 1997 से 2010 तक सरकार में रही थी लेकिन उससे पहले 1979 से 1997 तक पार्टी विपक्ष में रही। 1994 में टोनी ब्लेयर ने न्यू लेबर का नारा दिया और अपनी पार्टी के सिद्धांतों को समय के मुताबिक नया स्वरूप देकर जनता के बीच गए और लेबर पार्टी 1997 में सत्ता में आई। जब लेबर पार्टी 13 साल सत्ता में रही तब न कंजरवेटिव पार्टी के नेता चुनावी हार पर छाती पीट कर पार्टी छोड़ रहे थे और न अब जबकि लेबर पार्टी पिछले 12 साल से सत्ता से बाहर है तो उसके नेता छाती पीट कर पार्टी छोड़ रहे हैं। यह परिघटना सिर्फ 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र' की सबसे पुरानी पार्टी में ही देखने को मिलती है। पार्टी सत्ता से बाहर होती नहीं है कि नेता स्यापा करते हुए पार्टी छोड़ने लगते हैं। जाहिर है उनका पार्टी के सिद्धांतों, नीतियों या पार्टी के इतिहास से कोई लेना-देना नहीं होता है। उनका अपना हित सबसे ऊपर होता है और जब लगता है कि पार्टी या उसका मौजूदा नेतृत्व उनके हितों को पूरा करने में सक्षम नहीं है तो उन्हें पार्टी छोड़ने का फैसला करने में कोई समय नहीं लगता है। गुलाम नबी आजाद भी उन्हीं नेताओं में से हैं, जिन्होंने निष्ठा और वैचारिक प्रतिबद्धता के ऊपर अपने निजी स्वार्थ को तरजीह दी। उन्होंने उस परिवार की तमाम कमियां बताईं, जिसकी परिक्रमा करके अपने जीवन की सारी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन पांच पन्नों की अपनी चिट्ठी में कोई वैचारिक सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कांग्रेस के ऊपर वैचारिक विचलन या सिद्धांतों से समझौता करने का आरोप नहीं लगाया है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कांग्रेस अभी जो राजनीति कर रही है उसमें क्या कमी है? क्या कांग्रेस ने समाजवादी आर्थिक नीतियों, समरसता के सिद्धांत और धर्मनिरपेक्षता के विचार का त्याग किया है? क्या कांग्रेस ने अपने पारंपरिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया है? क्या राहुल गांधी केंद्र की जनविरोधी नीतियों का विरोध नहीं कर रहे हैं? क्या कांग्रेस पार्टी सांप्रदायिक और विभाजनकारी नीतियों के खिलाफ खड़ी नहीं है? उन्हें बताना चाहिए था कि इन मामलों में या इन नीतियों को लेकर वे कहां खड़े हैं! कांग्रेस ने तो बिलकिस बानो से बलात्कार के दोषियों की रिहाई का विरोध किया लेकिन खुद गुलाम नबी आजाद ने क्या किया?

हकीकत यह है कि आजाद की अपनी कोई वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं है। उन्होंने कांग्रेस के अंदर की ऐसी समस्याएं बताई हैं, जिन्हें भारतीय राजनीति के परिप्रेक्ष्य में कोई समस्या नहीं माना जा सकता। कम्युनिस्ट पार्टियों को छोड़ दें तो बाकी सभी पार्टियों के अंदर फैसला करने का वहीं सिस्टम है, जो कांग्रेस में है और राजनीति करने का तरीका भी वहीं है, जैसे कांग्रेस कर रही है। भाजपा में भी फैसले राष्ट्रीय कार्यकारिणी में या संसदीय बोर्ड में नहीं होते हैं। वहां भी फैसला अभी नरेंद्र मोदी और अमित शाह करते हैं और पहले अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी करते थे। भाजपा भी व्यक्तियों के चेहरे और उनके निजी करिश्मे पर ही चुनाव लड़ती है। भले आरएसएस के स्वंयसेवक जमीनी स्तर पर काम करते हों लेकिन 1980 में अटल बिहारी वाजपेयी के चेहरे को आगे करके राजनीति करने और चुनाव लड़ने की जो परंपरा शुरू हुई वह आज तक जारी है। इसलिए अगर व्यक्तिवाद कोई बुराई है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की नहीं है, बल्कि सभी पार्टियों की है। सो, अच्छा होता कि गुलाम नबी आजाद पार्टी में रह कर नेहरू-गांधी परिवार के नेतृत्व को चुनौती देते। उनके एक साथी नेता मनीष तिवारी ने कहा है कि वे कांग्रेस में हिस्सेदार हैं, किराएदार नहीं हैं। अगर आजाद भी अपने को हिस्सेदार मानते, शरद पवार भी अपने को हिस्सेदार मानते, ममता बनर्जी भी अपने को हिस्सेदारी मानतीं तो ये सब लोग कांग्रेस छोड़ने की बजाय पार्टी के अंदर रह कर इसकी कमियों को दूर करने का प्रयास करते। नेहरू-गांधी परिवार के वर्चस्व को चुनौती देते। लेकिन सब ने एक-एक करके अलग होने का रास्ता चुना। सब यह कहते हुए अलग हुए कि कांग्रेस बरबाद हो रही है। लेकिन सोचें, अगर शरद पवार, ममता बनर्जी, जगन मोहन रेड्डी जैसे तमाम नेता कांग्रेस में ही रहते तो क्या कांग्रेस बरबादी के मौजूदा मुकाम तक पहुंची होती? हो सकता है कि इसमें कांग्रेस नेतृत्व की गलतियां हों लेकिन छोड़ कर जाने वालों ने सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया। वहीं काम आजाद ने भी किया है। उन्होंने कोई समाधान नहीं सुझाया उलटे लोगों की नजर में कांग्रेस पार्टी को और बदनाम किया। उसके नेताओं पर कीचड़ उछाले। इससे कांग्रेस का तो जो नुकसान हुआ वह अपनी जगह है लेकिन आजाद का अपना चरित्र ज्यादा उजागर हुआ।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दिवा शहर में गड्ढों के कारण पानी के टैंकर की चपेट में आने से हुई युवक की दर्दनाक मौत

गड्ढों के कारण स्थानीय रहिवासियों में आक्रोश

संवाददाता/समद खान

दिवा। सड़क के गड्ढों के कारण ठाणे शहर में मौतों का सिलसिला जारी है परंतु बड़े अफसोस की बात है मनपा प्रशासन गड्ढों के कारण हो रही मौतों को लेकर जरा भी गंभीर होता हुआ नजर नहीं आ रहा है हालांकि सड़क के गड्ढों को लेकर नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ऐलान किया है सड़क पर कहीं पर भी गड्ढे नजर नहीं आना चाहिए फिर भी मनपा प्रशासन मुख्यमंत्री द्वारा गड्ढों को लेकर दिए गए निदेर्शों का पालन करते हुए नजर नहीं आ रही है आपको बताते चलें ठाणे कलवा मुंब्रा दिवा में बीते कई दिनों से गड्ढों के कारण मौतों का सिलसिला जारी है सड़क दुर्घटनाएं ट्रैफिक की समस्या सड़क पर पड़े गड्ढों के कारण उत्पन्न होती हुई नजर आ रही हैं जिससे स्थानीय रहवासियों में आक्रोश नजर आ रहा है फिर भी मनपा प्रशासन द्वारा गड्ढा भरने के काम को नहीं किया जा रहा है गत 28 अगस्त रविवार रात 8:00 बजे के दरमियान दिवा शहर में सड़क पर पड़े गड्ढों के कारण दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है इस मामले में विश्वसनीय

सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार दिवा निवासी गणेश विट्ठल पाले वर्ष 22 रात 8:00 बजे दिवा आगासन सड़क से जा रहे थे सड़क पर पड़े गड्ढों के कारण इस युवक का संतुलन बिगड़ गया तभी सामने से आ रहे पानी के टैंकर की चपेट में आ गया स्थानीय रहवासी द्वारा तत्काल कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले जाया गया परंतु डॉक्टर द्वारा जांच करने के बाद मृत्यु घोषित कर दिया गया मौत का कारण स्थानीय रहिवासी द्वारा सड़क पर पड़े गड्ढों का बताया जा रहा है और ठेकेदार पर कार्रवाई करने की मांग की जा रही है मृतक अपनी दोपहिया वाहन से दिवा आगासन सड़क से जा रहा था परंतु रास्ते पर पड़े गड्ढों के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और सामने से आ रहा पानी के टैंकर की चपेट में आने की वजह से उसकी मौत हो गई जिससे स्थानीय रहवासियों में आक्रोश नजर आ रहा है मनसे पार्टी के विधायक राजू पाटील ने दिवा शहर में घटी सड़क दुर्घटना को लेकर ट्वीट किया है और उसमें नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा गया है कितनी बली गड्ढों के कारण चढ़ी जाएगी सिर्फ कागजों पर ही घोषणा की जाती है पर जमीनी स्तर पर कुछ काम नहीं किया जाता फिलहाल ठाणे कलवा मुंब्रा दिवा शहर में सड़क पर भारी मात्रा में गड्ढे नजर आ रहे हैं जिससे ट्रैफिक की समस्या और सड़क दुर्घटनाएं काफी मात्रा में सामने आ रही है जिसके कारण मौतों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है मनपा प्रशासन को सड़क दुर्घटना में हो रही मौतों को लेकर गंभीर होना चाहिए और तत्काल सड़क में पड़े गड्ढों को भरने का काम शुरू करना चाहिए ताकि कोई सड़क दुर्घटना में पड़े गड्ढे के कारण किसी की मृत्यु न हो।

महाराष्ट्र में स्वाइन फ्लू के 2,337 केस, 98 की मौत, पुणे नंबर-1, एडवाइजरी जारी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में इस साल एक जनवरी से 28 अगस्त के बीच स्वाइन फ्लू के 2,337 मामले सामने आए और 98 व्यक्तियों की मौत हो गई है। इसके बाद राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से गणेश उत्सव में भाग लेने के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने कहा कि ये मामले 19 जिलों में सामने आये हैं, जिनमें से 770 मामले और 33 मौतें पुणे में हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई में 348 मामले मामले सामने आये हैं और तीन मौतें हुई हैं, जबकि पड़ोसी ठाणे में 474 मामले और 14 मौतें हुई हैं। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान कोल्हापुर में 159 मामले और 13 मौतें दर्ज की गईं।

98 लोगों की मौत

आंकड़ों के मुताबिक इस साल एक जनवरी से 28 अगस्त की अवधि के दौरान राज्य में स्वाइन फ्लू के 2,337 मामले सामने आए हैं और 98 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग

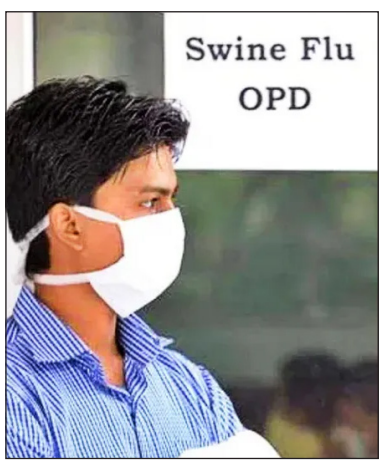

ने अपील करते हुए कहा कि स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों को आगामी त्योहार सावधानी से मनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी से पीड़ित लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचना चाहिए, जबकि उच्च जोखिम की स्थिति वाले लोगों को सार्वजनिक समारोहों में कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार का पालन करना चाहिए।

पुणे में सबसे अधिक 770 मामले दर्ज

1 जनवरी से 28 अगस्त के बीच, पुणे में सबसे अधिक 770 मामले दर्ज किए गए हैं, इसके बाद ठाणे (474), मुंबई (348), नासिक (195) और कोल्हापुर (159) हैं। राज्य के 36 जिलों में, पुणे 33 मौतों के साथ मृत्यु के मामले में भी सबसे ऊपर है। इसके बाद ठाणे (14), कोल्हापुर (13), नासिक (12), सतारा (5), अहमदनगर (5) और मुंबई (3) हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

गणेश चतुर्थी के नजदीक होने के साथ, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने एक एडवाइजरी जारी कर लोगों से संक्रमण से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा है। सोमवार को जारी एडवाइजरी में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी से पीड़ित नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों से बचने और चिकित्सकीय सलाह लेने को कहा गया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

कमाल आर. खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

यह कार्रवाई 2020 के एक विवादित ट्वीट पर की गई। कमाल दो साल बाद मुंबई लौटे हैं। कमाल पर 2020 में युवा सेना की कोर कमेटी ने मलाड पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। कमेटी के मेंबर राहुल कनल का आरोप था कि कमाल ने दिवंगत एक्टर इरफान खान और ऋषि कपूर को लेकर आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। इस मामले में पुलिस ने कमाल के खिलाफ सेक्शन 294 के तहत मामला दर्ज किया था। केआरके ने 2020 में इरफान खान (29 अप्रैल) और ऋषि कपूर (30 अप्रैल) के निधन के बाद ट्वीट किए थे। उन्होंने लिखा, मैंने कुछ दिन पहले ही कहा था कोरोना तब तक नहीं जाएगा जब तक कुछ फेमस लोगों को अपने साथ नहीं ले जाता। तब मैंने नाम नहीं लिखे थे, क्योंकि लोग मुझे गालियां देते, लेकिन मैं पहले से जानता था कि ऋषि और इरफान जाएंगे। मुझे ये भी पता है कि अगला नंबर किसका आने वाला है। जब ऋषि कपूर को रिलायंस अस्पताल में भर्ती कराया गया था तो केआरके ने ट्वीट किया था- ऋषि कपूर को एचएन रिलायंस अस्पताल में भर्ती किया गया है। मैं उनसे सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि सर ठीक होकर जल्दी वापस आना, निकल मत लेना, क्योंकि दारू की दुकान सिर्फ 2-3 दिन में खुलने ही वाली है।

तबेले का दूध पांच रुपये महंगा

नई दरें 1 सितंबर से 28 फरवरी 2023 तक लागू रहेंगी। तबेले के ताजे दूध की कीमतें तय करने के लिए मुंबई दूध उत्पादक संघ की बैठक पटेल समाज सभागृह में हुई। बैठक में तबेला मालिकों ने बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए कीमतें बढ़ाने की मांग की। कहा गया कि दुधारू पशुओं के खाद्य पदार्थ महंगे हो गए हैं। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सी. के. सिंह ने बताया कि बैठक में दूध की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ाने की मांग की जा रही थी, लेकिन सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मौजूदा होलसेल प्राइज 73 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 78 रुपये की जाए। इसके अलावा 2 रुपये पहले से ही भाड़ा (परिवहन सहित अन्य खर्च) लागू रहेगा।

मिठाइयों की ट्रे पर लिखना पड़ेगा 'बेस्ट बिफोर'

त्योहारों के मौसम में मावा, मिठाई, नमकीन खाद्य पदार्थों की मांग अधिक होती है, ऐसे में त्योहारों में मिलावटी खाद्य पदार्थ मिलने की संभावना अधिक रहती है। इसे देखते हुए एफडीए ने विशेष मुहिम के साथ-साथ विक्रेताओं और ग्राहकों के लिए गाइड लाइंस भी जारी की है। इसके तहत विक्रेताओं से जहां लाइसेंस धारकों से फूड मटीरियल खरीदने का निर्देश दिया है, वहीं मिष्ठानों का उत्पादन स्वच्छ जगहों पर करने के लिए कहा है। इसके अलावा दुकानों पर बेची जानेवाली मिठाइयों के ट्रे पर 'बेस्ट बिफोर' तारीख लिखने का अनिवार्य किया है। एफडीए की सहायक आयुक्त अश्विनी रंजाने ने बताया कि त्योहारों को देखते हुए एफडीए ने विशेष मुहिम चलाई है। इस विशेष मुहिम के तहत गणेशोत्सव के दौरान मिलावटी मिठाइयों की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम बनाई गई है। गड़बड़ी पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। ग्राहकों से भी अपील की गई है कि वे सड़कों पर बेचे जाने वाले मिठाइयों की खरीददारी से बचें। साथ ही, मिठाई के ट्रे पर लगे 'बेस्ट बिफोर' की तिथि जरूर देखें, ताकि यह सुनिश्चित रहे कि मिठाई कितने दिनों तक खाने योग्य है। किसी तरह की समस्या आने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (टोल फ्री नंबर 1800222356) से तुरंत शिकायत करने की अपील भी की गई है।

कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न

मुंबई। मलाड-साहित्य संगम संस्था द्वारा आर के कालेज मलाड (पूर्व) में कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम के प्रमुख सम्मान मूर्ति महाराष्ट्र हिन्दी साहित्य अकादमी के वर्तमान अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अभिलाष अवस्थी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर राधेश्याम तिवारी ने की व मंच संचालन संस्था के अध्यक्ष कवि व पूर्व प्रधानाध्यापक राम सिंह ने किया। प्रमुख अतिथि के तौर पर विद्युत ध्वनि के संपादक व पत्रकारिता मिशन संस्था के अध्यक्ष राकेशमणि तिवारी, प्रधानाध्यापक एन एल विद्यालय मिथिलेश मिश्र, लालचंद तिवारी, पत्रकार ओमप्रकाश मिश्र तथा पत्रकार जितेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। काव्यपाठ एल

वी सिंह नादान, जवाहर लाल निर्झर, डॉक्टर वर्षा सिंह, रोशनी किरण, रासबिहारी पाण्डेय, दिनेश बैसवारी, जाकिर हुसैन रहबर, कल्पेश यादव, आनंद पाण्डेय, श्रीराम शर्मा, राम व्यास उपाध्याय, हरिश्चंद्र सिंह, अनिल त्रिपाठी कड़क, अमरनाथ गौड़, अजय शुक्ल बनारसी, सुदाम कटारे तथा जेपी सिंह ने किया। जहाँ अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में ऐसे कार्यक्रमों पर जोर देने की बात डाक्टर तिवारी ने कही वहीं साहित्यकारों के साथ-साथ संस्थाओं को सम्मानित किये जाने की अकादमी में पहल करने की बात श्री अवस्थी ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सहयोगी आर के सर, उमाशंकर गुप्ता एवं प्रोड्यू जेपी सिंह का योगदान उल्लेखनीय रहा।

◆ मंगल प्रभात लोढ़ा कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र राज्य के मंत्रालय में पूजा विधि के बाद अपने कार्यालय का कार्य संभाला। इस अवसर पर उनको नए पदभार की शुभेच्छा 'श्री राम दरबार' की पांच धातु की प्रतिमा भेट करते हुए सुरेश डी. मिश्रा (धार्मिक एवं आध्यात्मिक अघाधी, मुंबई अध्यक्ष) साथ में आचार्य पवन त्रिपाठी (मुंबई उपाध्यक्ष), उदय प्रताप सिंह (प्रवक्ता मुंबई), रंजीत सिंह (उत्तर भारतीय मोर्चा, दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्ष)। इस अवसर पर मुंबई में तकरीबन 35 स्थानों पर हो रही 'रामलीला महोत्सव' को मुंबई में गणपति उत्सव की तरह महाराष्ट्र सरकार की तरफ से प्रोत्साहन और रियायती सहायता मिले और इस विलुप्त हो रही सनातनी परंपरा जिसको 'यूनेस्को ने भी सन 2008 में हेरिटेज श्रेणी' में स्थान दिया है उसको जनमानस तक पहुंचने में कार्य कर रही रामलीला मंडलियों को कुछ सहारा मिले इसलिए एक सिंगल विंडो परमिशन और मैदान किराया और इलेक्ट्रिक दर में रियायत की मांग का एक ज्ञापन मंगल प्रभात लोढ़ा को दी गई।

जयपुर में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान कार्यकर्ता सम्मेलन व रक्तदान शिविर संपन्न

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अध्यक्ष शैख खलील और उनकी टीम की ओर से दिन रविवार 28 अगस्त को जयपुर गौसिया मस्जिद के पास वी कैन स्कूल में नशा मुक्ति, रक्तदान शिविर व सम्मान समारोह किया गया। इस कार्यकर्ता सम्मेलन बतौर मुख्य अतिथि मोहम्मद इकबाल खान सीः ई :ओ दि राज लक्ष्मी अर्बन को ऑपरेटिव बैंक उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के संरक्षक शैख अबरार अहमद, समाजसेवी मोहम्मद नजर, समाजसेवी कमल भार्गव, समाजसेवी शाकिर खान, हाजी यासिर हुसैन सूफी, लायक हसन एस एम एस सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, भानु अरोड़ा प्रधान संपादक दैनिक मरुधर आवाज न्यूज पेपर, आजम खान चंदन लालवानी कोषाध्यक्ष आरी तारी दस्तकार मजदूर कल्याण सत्ता संस्था, स्नेह लता भारद्वाज, श्रीमती रूबी खान पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए महिला बैंक के सीःई:ओ मोहम्मद इकबाल खान ने शेख खलील के नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की

टीम जो समाज सेवा के हर क्षेत्र में बढ़िया काम कर रही है बल देने के लिए और भारत की युवा पीढ़ी को बचाने के लिए हर धर्म के जिम्मेदार शेख खलील के नशाबंदी आंदोलन से जुड़े और अपने अपने एरिया में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाएं शेख खलील ने बताया कि बिना सरकारी मदद के अब तक हमारी टीम नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाती हुई आई है आज के कार्यक्रम में 40 नशा करने वालों को मुफ्त दवाइयां दी गई ब्लड डोनेट कैंप में आए हुए 60 यूनिट आय और आज के प्रोग्राम में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के जिला अध्यक्ष मोहम्मद यामीन रंगरेज को उनके जीवन में 66 बार ब्लड 15 बार प्लाज्मा डोनेट करने पर हेल्पलाईन न्यूज फाउंडेशन के फाउंडर शेख अबरार अहमद को 62 बार ब्लड डोनेट और 18 बार प्लाज्मा देने पर ,हाजी लतीफ ठेकेदार को नगीने की 40 लाख की पुड़िया रोड पर पड़ी मिली उसको उसके मालिक तक पहुंचाने पर कोरोना काल में अपनी गाड़ी से मरीजों को हॉस्पिटल ले जाने पर उनकी गाड़ी को 108 के नाम से पुकारे जाने जाने लगा इसलिए मोहम्मद शाकिर खान को सभी सम्मानित साथियों को नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की टीम की ओर से सम्मानित किया गया है बाबू अंसारी साबिर खान, मुन्ना खान, फरीद पठान, रईस खान, अजीज खान, मोहम्मद रियाज, इसरार अहमद, इकराम खान आदि साथी भी मौजूद रहे। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

रामसर के नूर भाई आल राजस्थान देशवाली समाज के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष बने

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। देशवाली पंचायत चौरासी राजस्थान देशवाली समाज के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए,प्रदेश सचिव तेयब मोहम्मद भुट्टो खातौली के द्वारा आहूत जनरल मीटिंग में चुनाव संपन्न हुए।इन्होंने बताया की कोरोना काल में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के चुनाव बाद समाज के प्रदेशाध्यक्ष इमामुद्दीन खान तंवर का इंतकाल हो जाने के कारण प्रदेशाध्यक्ष का पद पिछले वर्ष से खाली चल रहा था उसके लिए नये अध्यक्ष का चुनाव समाज को करना था। चौरासी के प्रदेश कोषाध्यक्ष सद्दीक मोहम्मद चौहान ने बताया की समाज के युवा, नौजवान व बुजुर्गों की उपस्थिति में चुनाव के लिए मीटिंग में विचार विमर्श हुआ जिसके तहत निर्विरोध निर्वाचन करने की सहमति हुई। इस दौरान सभी उपस्थित समाज के भाइयों की सहमति से अध्यक्ष पद हेतु दावेदार 13 सदस्यों वक्तियों को निर्विरोध निर्वाचन का निर्णय लेने की जिम्मेदारी दी, जिन्होंने आपसी समन्वय से लगभग 1 घंटे के वार्तालाप में प्रदेशाध्यक्ष हेतु सर्वसम्मति से जिला अजमेर ग्राम रामसर के नूर भाई का निर्विरोध निर्वाचन करके चुनाव की प्रक्रिया पूरी की, मंच संचालन मास्टर रफीक साहब परबतसर वालो ने किया व आमीन खान पीह ने उनको पद की गरिमा को बनाये रखते हुए कर्तव्य को पूर्ण ईमानदारी से निभाने की शपथ दिलवाई।इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष नूर

भाई ने घोषणा करी की सबसे पहले दूदू हेड ऑफिस कार्यालय का कायाकल्प किया जाएगा साथ ही समाज की उपस्थिति राजनीति लेवल पर बढ़ाने जयपुर में हॉस्टल का निर्माण समाज के खेड़े कस्बों के लोगों को साथ लेकर पूरा करेंगे। इस दौरान समाज के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सजवार खान सोलंकी, पूर्व प्रदेश सचिव निजाम खान चौहान, पूर्व केशियर जमाल खां छप्पा, मजीद खां गोड मालेड़ा, अब्दुल करीम खराड़ा डारेडा तुर्क, हाकम अली देशवाली, एमडी इसराईल देशवाली चाकसू, जलालुद्दीन हरसोर, कमरुद्दीन मुल्तानी, आरीफ खान सांगानेर, हाजी अलाउद्दीन सरवाड़, हाजी नजीर खां जहाजपुर, राजुद्दीन गोविंदगढ़, सलीमुद्दीन दायमा, हकीम खां खुनखुना, गुलजार खां पिह, गफ्फार खां हरसौर, शाहबुद्दीन खां पंवार, आमीन मोजमाबाद, आमीन खां तंवर, नसीर खां गुज, जमाल खां दुवा, इस्लाम तंवर, सलीम चौहान, रज्जाक भाटी, हाजी सुबराती खां गोड, नबी मोहमद गोड, साजन खान दूदू, इमरान हक्कानी, मोईनुद्दीन भुट्टो, मुंशी अली खातौली आमीन लदाना, अब्दुल सत्तार गोड, हनीफ मिलावत फागी, सद्दीक भुट्टो दौसा, अहमद अली किशनगढ़, रफीक पंवार जहाजपुर, आरीफ खान नेब सरवाड़, नागौर जिला सचिव मस्ती मोहम्मद देशवाली सहित समाज के मोजिज लोग मौजूद रहे। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भूतपूर्व नगर सेवक एवं समाजसेवी शरद पंवार को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट पवई तुंगा गांव के भूतपूर्व नगरसेवक व समाजसेवी शरद पवार का प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट का सम्मान चिन्ह देकर उनका सम्मानित किया गया। हम आपको बता दें कि शरद पंवार दस वर्षों तक नगरसेवक रहकर अपने

विभाग की जनता की भरपूर सेवा की तथा आज भी जनता के बीच रहकर उनकी सेवा में लीन हैं। उन्होंने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के सराहनीय कार्यों की बहुत ही सराहना की और उन्होंने अपने विभाग की जनता से अपील करते हुए कहा कि एक बार पुनः सेवा का अवसर प्रदान करें। गौरतलब हैं कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट हर समाजसेवी तक पहुँच रहा हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट सदैव पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृतसंकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि सदैव पत्रकारों के हित में काम करने वाले एवं देश के सबसे बड़े संगठन प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट से पत्रकारों को जुड़ने का आह्वान किया हैं। उन्होंने संगठन के लिए मीडिया में किए जा रहे अनेक समाचार पत्रों के राजस्थान संपादक एवं प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़ के सहयोग को सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकार राठौड़ का मीडिया में सकारात्मक सहयोग काबिले तारीफ हैं और राठौड़ की भूरी भूरी प्रसंशा की।

बच्चों के लिए पौष्टिक आहार व विटामिन की व्यवस्था होनी चाहिए: प्रो. करुणा चांदना

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'कुपोषण की समस्या और समाधान' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 436 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो.करूणा चांदना ने कहा कि कुपोषण का अर्थ केवल भोजन की कमी से नहीं है अपितु गलत जीवन शैली, गलत असमय खान पान व अनियमित दिनचर्या भी उसके कारण है। प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख बच्चे प्रोटीन कैलोरी कुपोषण से मरते हैं। इसके अतिरिक्त विटामिन ए की कमी से होने वाला रतौंधी लोहे की कमी से होने वाला एनीमिया भी भारत जैसे विकासशील देश में बहुत प्रचलित है। कुपोषण के मुख्य कारण गरीबी, अधिक जनसंख्या, खाद्य पदार्थों का सीमित होना, गर्भावस्था में मां को उचित पोषण ना मिलना, जंक फूड, बोतल बन्द फूड, फ्रोजन फूड आदि खानपान तथा पेस्टिसाइड्स

फर्टिलाइजर्स युक्त मिलावटी खाना आदि कारण है। समाधान पोषण विज्ञान पहली से पांचवी क्लास तक पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। गर्भवती महिला को संतुलित आहार देना चाहिए। घरों में किचन गार्डन बनाए जाएं ताकि ताजे फल और सब्जियां खा सकें। प्राइमरी स्कूलों में मिड डे मील की सुंदर व्यवस्था होनी चाहिये, ऐसा करने से बहुत हद तक हम कुपोषण से लड़ सकते हैं। साथ साथ समय पर उठना व समय पर सोना साथ ही भोजन लेना भी आवश्यक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जिस देश का बचपन भूखा हो उस देश की जवानी क्या होगी अतः सरकार व सामाजिक संस्थाओं को बच्चों को उचित आहार,विटामिन आदि उपलब्ध करवाने के लिए उत्तदायित्व लेना चाहिए। मुख्य अतिथि आर्य नेता उमेश भूटानी (सोनीपत) व अध्यक्ष शशिकांता कस्तूरिया ने भी विचार रखे।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, रचना वर्मा, कमलेश मोंगा (केन्या नैरोबी), सुदर्शन चौधरी, संतोष धर, कमला हंस, कौशल्या अरोड़ा, कुसुम भंडारी, ईश्वर देवी आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

रावल निकाय प्रकोष्ठ में जिला सदस्य मनोनित

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

सादडी नगर निकाय प्रकोष्ठ जिला सदस्य मे सादडी से सुरेश रावल को जिला सदस्य मनोनित किया गया है। नगर निकाय प्रकोष्ठ की जिला सदस्य की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकर्ताओ मे खुशी की लहर छा गई। भाजपा मण्डल अध्यक्ष गोविंद मीणा ने कहा कि जिलाध्यक्ष मंशाराम परमार व प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शिवप्रकाश प्रजापति ने सुरेश रावल की भाजपा के प्रति सक्रियता को देखते हुए यह घोषणा की है।

सुरेश रावल ने भाजपा जिलाध्यक्ष मंशाराम परमार, प्रकोष्ठ संयोजक शिवप्रकाश प्रजापति व विधायक पुष्पेन्द्र सिंह रगावत का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है। सुरेश रावल ने सन 1982 मे दैनिक नवज्योति मे 15 सालों तक दैनिक भास्कर में पत्रकारिता करते हुए अपनी कलम के माध्यम के माध्यम से आमजन की जनसमस्याओ के प्रति सक्रिय रहे है। पिछले नगर पालिका चुनाव मे सुरेश रावल ने पार्षद का चुनाव भी लडा था, जिसमे उनको बहुत कम वोटो से हार गये। लेकिन आज भी वर्तमान पार्षद से पहले वार्ड की हर समस्या का निवारण नगर पालिका प्रशासन द्वारा करवाते है तथा वार्ड वासियो के दुख सुख मे हर समय तैयार रहते है।

कालियास में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल के तहत कबड्डी खेल का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सरकार के निर्देशानुसार राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल के आयोजन के तहत भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील के कालियास कस्बे में आज कबड्डी खेल का आयोजन किया गया। जिसमें तीन टीमों ने भाग लिया। जिसमें कालियास ने मोती बोर खेड़ा को हराया और विजयी रही। वहां उपस्थित उप सरपंच देवकरण जाट ने इस अवसर पर 2100/ रुपए, भामाशाह शिव सिंह पंवार ने 5100/ रुपए तथा मोती बोर खेड़ा के भामाशाह महिपाल सिंह चौधरी ने 5100/ रुपए सहयोग हेतु प्रदान किए गए। इस दौरान सभी खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। गौरतलब हैं कि उक्त प्रतियोगिता कस्बे में चार दिनों तक आयोजित की जाएगी।

साहित्य आजकल द्वारा ऑनलाइन आयोजित हुआ 'काव्यलोक' कार्यक्रम

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। साहित्यिक मंच साहित्य आजकल के द्वारा चर्चुअल रूप से ऑनलाइन कविसम्मेलन 'काव्यलोक' कार्यक्रम यूट्यूब पर लाइव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान के वरिष्ठ साहित्यकार गुरुदीन वर्मा द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के रवि शंकर विलगैया जी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत उत्तराखंड की कवयित्री अंशी कमल द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुई। अध्यक्षता कर रहे गुरुदीन वर्मा ने कहा कि साहित्य आजकल द्वारा निःस्वार्थ भाव से जिस प्रकार साहित्यिक सेवा कार्य निरन्तर किये जा रहे है वह काबिलेतारीफ है। इसके लिए संस्थापक हरे कृष्ण प्रकाश बधाई के पात्र हैं। उन्होने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से अवश्य जन- जन लाभान्वित होंगे। उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए साहित्य आजकल के संस्थापक युवा कवि हरे कृष्ण प्रकाश ने कहा कि देश भर के रचनाकारों की कविताओं से जन जन को रूबरू कराने के लिए और साहित्य के प्रति लोगों का लगाव बढ़ाने के लिए हमारी टीम निरन्तर कार्यक्रम आयोजित करती रही है।

इसी के निमित्त काव्यलोक कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ जो प्रत्येक रविवार को आयोजित होता है। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार इस रविवार के कार्यक्रम में देश के अलग अलग क्षेत्रों से कई रचनाकार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिल्ली की रंजना मजूमदार, उत्तरप्रदेश के रामबृक्ष बहादुरपुरी, श्वेता दूहन देशवाल, उत्तराखंड की अंशी कमल, राजस्थान के गुरुदीन वर्मा, मध्यप्रदेश के रवि शंकर विलगैया ने अपनी एक से बढ़कर एक स्वरचित कविताओं के माध्यम से शानदार लाइव प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में हरे कृष्ण प्रकाश ने कहा कि भारतीय सभ्यता संस्कृति के विकास में साहित्य का योगदान महत्वपूर्ण है। सभी साहित्यकारों से अपील करते हुए कहा कि युवाओं की अभिरुचि साहित्य में बढ़े, इसके लिए भी सभी साहित्यकार कदम उठाए क्योंकि साहित्य में ही समाज निर्माण की शक्ति है। वहीं साहित्य आजकल के उपाध्यक्ष व समीक्षक विमल कुमार ने सभी साहित्यकारों की प्रस्तुति पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिक्रिया देकर उत्साहवर्धन किया। संयोजक हरे राम प्रकाश ने सफल कार्यक्रम हेतु सभी साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विमल कुमार, हरे राम प्रकाश, विशाल लोधी, प्रीतम प्रकाश, रंजना मजूमदार, गुरुदीन वर्मा, हीरालाल, कामरान अलवी, शिवम प्रकाश, रामबृक्ष बहादुरपुरी, श्वेता दूहन देशवाल, अंशी कमल, आदित्य कुमार, रवि शंकर विलगैया आदि साहित्यकार उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

श्रीगंगानगर कोतवाली पुलिस ने गैंगरेप के आरोपियों को बचाने में दिखाई अपनी दरियादिली

श्रीगंगानगर कोतवाली पुलिस की कारस्तानी पुलिस ने युवती को जान से मारने की धमकी की 506 आईपीसी की धारा नहीं लगाई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक अध्यापक बलकरण सिंह पिता छिन्दर सिंह ने अपने साथियों जसकरण सिंह पिता गुरचन्द सिंह, निर्मल सिंह पिता गुरनाम सिंह तथा अमृतपाल सिंह पिता निरंजन सिंह ने जयपुर की एक दलित युवती करिश्मा जाटव को फिल्म में काम दिलाने का झांसा देकर युवती को जयपुर से श्रीगंगानगर बुलाया और स्थानीय होटल चन्द्रलोक में ले जाकर बलकरण सिंह ने उसे शराब के नशे में धुत करके अपने साथियों के साथ मिलकर दलित युवती को अपनी हवस का शिकार बनाया। युवती को गैंगरेप करके उसे जान से मारने की धमकी देते हुए उसे रेलवे स्टेशन पर छोड़ गए और कहा कि अगर किसी को बताया तो वो उसे जान से मार देंगे। इससे परेशान हो कर युवती करिश्मा जाटव ने अपनी सहेली के साथ मिलकर आरोपियों के खिलाफ श्रीगंगानगर कोतवाली पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी हैं। ताजुब की बात तो यह है कि पुलिस ने एफआईआर में गैंगरेप की धारा 376डी तो जोड़ दी मगर एफआईआर में युवती को जान से मारने के आरोप की धारा 506 आईपीसी की धारा का कहीं भी उल्लेख नहीं है तो क्या श्रीगंगानगर कोतवाली पुलिस कहीं आरोपियों के खिलाफ दर्ज गैंगरेप के केस को कमजोर करने का प्रयास नहीं कर रही हैं। यह जांच का विषय है हालांकि ये धारा

बाद में भी जोड़ी जा सकती हैं। अगर आप फेसबुक पर किसी अंजान व्यक्ति से दोस्ती करके चैटिंग कर रहे हैं हैं तो सावधान रहिए। अगर आप लड़की है तो कोई भी व्यक्ति आपको मीठी-मीठी चिकनी चुपड़ी बातों में फंसाकर फिल्मों में रोल दिलाने के झूठे सपने दिखा कर आपको अपनी हवस का शिकार बना सकता हैं। सजग रहें.. सावधान रहें.. जागरुक रहें। मगर श्रीगंगानगर में ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां जयपुर की एक दलित महिला श्रीगंगानगर में हवस के भूखे भेड़ियों की हवस का शिकार हो गई है। ऐसी ही एक घटना 14 अगस्त 2022 की हैं। प्रकरणनुसार एक दलित युवती मोनखर (अलवर) हाल मुकाम कुशीनगर सांगानेर रोड़ जयपुर की रहने वाली करिश्मा जाटव जो जयपुर में रहती हैं। उसकी श्रीगंगानगर के रहने वाले बलकरण सिंह से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई। दुष्कर्म के आरोपी बलकरण सिंह ने उसे फेसबुकपर ही प्यार भरी चिकनी चुपड़ी और फिल्मों में काम दिलाने के झूठे सपने दिखा कर झूठी बातों में फंसाकर उसे श्रीगंगानगर बुलाया। करिश्मा जाटव उसकी झूठी बातों में आकर ट्रेन से श्रीगंगानगर आ गई और योजना अनुसार बलकरण सिंह उसे तय सीमा पर रेलवे स्टेशन पर उसका इंतजार करता मिला, जैसे ही वह श्रीगंगानगर पहुंची बलकरण सिंह उसे अपनी कार में बिठाकर जसा सिंह मार्ग स्थित चन्द्रलोक होटल में ले गया। साथ में बलकरण सिंह का दोस्त निर्मल सिंह भी कार में मौजूद था। बलकरण सिंह ने होटल में कमरा लिया और बलकरण सिंह ने होटल में अपनी व करिश्मा जाटव की आईडी दिखाई। तत्पश्चात बलकरण सिंह व निर्मल सिंह ने पीड़िता युवती करिश्मा को शराब पिलाई फिर करिश्मा धीरे धीरे नशे में धुत हो गई और उसे नींद आ गई तत्पश्चात बलकरण सिंह, निर्मल सिंह, जसकरण सिंह व दो अन्य ने युवती के साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया। युवती जब सुबह उठी तो उसे थकान सी महसूस हुई और उसे दुष्कर्म का अहसास हुआ। वो होटल में बैठी तो सामने सभी आरोपी बैठे थे और उन्होंने पीड़ित युवती को डराया धमकाया कि अगर तुमने किसी को बताया तो हम तुझे जान से मार देंगे। और युवती के पर्स में रखे दस हजार रुपए व सोने की अंगूठी भी ले लिए। फिर उसे कार में बिठाकर सभी आरोपी रेलवे स्टेशन छोड़ गए। तत्पश्चात युवती अपने आप को ठगा सा महसूस करने लगी और फिर पीड़िता ने सभी आरोपियों के खिलाफ श्रीगंगानगर पुलिस थाने में दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई और आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस पर श्रीगंगानगर पुलिस थाने ने दुष्कर्म का मामला दर्ज करके जांच शुरू की है। बहरहाल उक्त आरोपी क्षेत्रीय नेता के करीबी बताए जा रहे हैं। जो पुलिस द्वारा उक्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होना संदेह के दायरे में आना प्रतीत हो रहा हैं।

कानपुर में मैनेजिंग ट्रस्टी अमित के इस्तीफे से हनुमान मंदिर श्राइन बोर्ड पर निष्क्रियता का डेरा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां दोनों महंत गुटों द्वारा मजबूरी में दी गई लिखित सहमति के बाद प्रशासन द्वारा विकास कराने की शुरूवात के बीच देश के जाने माने प्रतिष्ठित हनुमान मंदिरों में से एक पनकी स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में महंतगीरी के नाम पर अपने भारी आर्थिक स्वार्थ का उल्लू सीधा करने के षड़यंत्र पूर्ण इरादों द्वारा पैदा किए गए हालातों और मंदिर की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने तथा भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ किए जाने से आहत और अपनी अति व्यस्तता से भी निजात नहीं पाने जैसे अहम कारणों के फलस्वरूप श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर श्राइन बोर्ड के मैनेजिंग ट्रस्टी अमित नारायण त्रिवेदी और न्यासी आदित्य मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दोनों के इस्तीफे के कारण चर्चा का भी विषय बने हुए हैं। फिलहाल तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और बेहद परोपकारी स्वभाव के चर्चित समाजसेवी अमित नारायण त्रिवेदी के इस्तीफे से बंदरबांट करने वाले भी बहुत गदगद बताए जाते हैं। वहीं दूसरी ओर हनुमान मंदिर में आस्था रखने वाले लोगों का कहना है कि मैनेजिंग ट्रस्टी अमित नारायण त्रिवेदी के इस्तीफे से अब वह कुछ भी नहीं हो पाएगा जो अब तक मंदिर के हित में किया जा रहा था। बताते चलें कि 11 सदस्यों वाले श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर श्राइन बोर्ड का गठन लगभग दो साल किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य मंदिर का भव्यतम विकास करना, आर्थिक स्वार्थ पूर्ति का इरादा पूरा करने के लिए महंतों के झगड़े से मंदिर की धूमिल होती प्रतिष्ठा को बचाना तथा भक्तों की आस्था की रक्षा जैसी पवित्र इरादों के साथ किया गया था। भरोसेमंद सूत्रों के मुताबिक इस बीच मंदिर के हित में जो भी करना था। वह सब कुछ करने में मैनेजिंग ट्रस्टी समाजसेवी अमित नारायण त्रिवेदी ने कसर भी नहीं रखी, लेकिन महंत के भेष वाला एक कलयुगी जटायू फिर भी नहीं माना। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक मंदिर और उसकी करोड़ों की संपत्ति पर हमेशा अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये इस जटायू की अपने विरोधी गुट से बंदरबांट को लेकर अक्सर होने वाले झगड़ों ने भी हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाले श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर श्राइन बोर्ड के मैनेजिंग ट्रस्टी अमित नारायण त्रिवेदी को बहुत आहत कर रखा था। यही नहीं निःशुल्क इलाज कर सैकड़ों कोरोना मरीजों की जान बचाने वाले और अपनी सर्वोत्तम चिकित्सीय सेवायें उपलब्ध कराने में अव्वल नारायणा हास्पिटल पनकी के सचिव और नारायणा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के मुखिया चर्चित समाजसेवी अमित नारायण त्रिवेदी के साथ ही एक और न्यासी आदित्य मिश्रा ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे भक्तों की आस्था और मंदिर की प्रतिष्ठा की रक्षा के इच्छुक लोगों में बेचैनी का भी माहौल है।

मैनेजिंग ट्रस्टी अमित नारायण त्रिवेदी के साथ न्यासी आदित्य मिश्रा के इस्तीफे से बंदरबांट करने वाले खुश

कानपुर के सफाई कर्मी हत्याकांड में इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी की कर्मठता ने किया 7 को गिरफ्तार

बाकी तीन आरोपियों की तलाश में भी मारे जा रहे छापे

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले गोविंद नगर पुलिस ने बहुचर्चित सफाई कर्मी संजय हत्या कांड में सात आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। उन्हें जेल का रास्ता दिखाने के बाद पुलिस अब फरार आरोपियों की भी तलाश में जुट गई है। इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों की इस हत्याकांड में किसी न किसी रूप में कुछ ना कुछ अहम भूमिका अवश्य है, जिसके चलते ही उन्हें गिरफ्तार किया गया है। अवगत कराते चलें कि गत दिवस गोविंद नगर थाना क्षेत्र की कच्ची बस्ती में एक लड़की से प्रेम प्रसंग को लेकर वहीं पर रहने वाले सफाई कर्मी संजय कुमार की लाठी-डंडों और चापड़ चाकू से हत्या कर दी गई थी। इस घटना

में उसके परिवार वालों की ओर से 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद गोविंद नगर के जुझारू तेवरों वाले सरल और शालीन स्वभाव के तेजतर्रार और व्यवहार कुशल इंस्पेक्टर आशीष कुमार दिवेदी की अगुवाई में उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार जुटी हुई थी। अंततः पुलिस की मेहनत रंग लाई और 10 में से 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल का रास्ता दिखा दिया गया। याद रहे कि बहुचर्चित सफाई कर्मी संजय हत्याकांड में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त करने वाली गोविंद नगर पुलिस की कमान आजकल हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले साधारण सूचनाओं पर भी खुद मौके पर पहुंचकर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देश का अक्षरशः अनुपालन के लिए भी चर्चित लोकहित में अपनी धुन के पक्के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के स्वाभिमानी तथा परोपकारी स्वभाव वाले उन कठोर परिश्रमी इंस्पेक्टर आशीष कुमार द्विवेदी के हाथ में है, जिनका पुलिस विभाग में अबतक का इतिहास यह साबित करता है कि उनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा केवल हत्या जैसी संगीन वारदातों को ही नहीं बल्कि हर छोटी से छोटी घटना को भी बहुत गम्भीरता से लेकर पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की सहायता में भी सदैव अग्रणी रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

घुटने की बीमारी से परेशान हैं 15 करोड़ से ज्यादा लोग

हर सात मिनट में एक घुटना ट्रांसप्लांट करने और अब तक 1 लाख से ज्यादा नी ट्रांसप्लांट कर चुके देश के जाने माने ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ। विक्रम शाह ने कहा कि इस समय पूरे देश में महामारी की तरह घुटने की बीमारी बढ़ रही है। हर दूसरा या तीसरा मरीज घुटने की परेशानी से जूझ रहा है, लेकिन सरकार के पास कैंसर या अन्य बीमारी की तरह घुटना प्रत्यारोपण यानी नी ट्रांसप्लांट की रजिस्ट्री न होने की वजह से मरीजों के सही आंकड़ा का पता नहीं चल रहा है।

15 करोड़ से ज्यादा लोग घुटने की बीमारी से पीड़ित

गुजरात के अहमदाबाद स्थित शाल्बी अस्पताल के संस्थापक डॉ। विक्रम शाह ने कहा कि देश में 15 करोड़ से अधिक लोग घुटने की बीमारी से पीड़ित हैं। इनमें से 4 करोड़ लोगों को प्रत्यारोपण की जरूरत है। डॉक्टर ने कहा कि जिस तेजी से यह बीमारी बढ़ रही है, आने वाले कुछ सालों में आर्थराइटिस लोगों को शारीरिक रूप से अक्षम बनाने में चौथा प्रमुख कारण होगा। क्या आपको या आपके परिवार के किसी सदस्य को जॉइंट्स में दर्द रहता है?

अगर हां, तो आप ऑर्थराइटिस से पीड़ित हैं। ऐसे में समय रहते सावधानी न बरती जाए तो प्रॉब्लम दिन-प्रतिदिन बढ़ती जाती है। सेंट्रल हेल्थ मिनिस्ट्री के अनुसार, 2017 तक आर्थराइटिस की चपेट में आने वाली महिलाओं की संख्या दोगुना हो गई है। वहीं, 2019 तक आर्थराइटिस से पीड़ित लोगों की संख्या डायबीटीज के पेशेंट्स से भी ज्यादा हो जाएगी। डॉक्टरों की मानें तो आर्थराइटिस 230 तरह की होती है लेकिन इसका रूप कोई भी हो, सबसे पहले जॉइंट्स में सूजन आ जाती है। प्रॉब्लम बढ़ने पर चलने-फिरने और हिलने-डुलने में भी परेशानी होने लगती है। ऐसे में कुछ सावधानियां बरतकर आप इस समस्या से बच सकते हैं। अगर हाल की रिपोर्ट की मानें, तो भारत में हर 3 में एक महिला आर्थराइट्स से पीड़ित है।

हाल ही में की गई एक रिसर्च के अनुसार, देश में 55 वर्ष से अधिक उम्र के 20 प्रतिशत, 65 वर्ष से अधिक उम्र के 40 प्रतिशत और 80 वर्ष से अधिक उम्र के 60 प्रतिशत लोगों को जोड़ों या घुटनों में दर्द की समस्या आम बात हो गई है। इस बारे में सीनियर ऑथोर्पेडिक व जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ बीरेन नादकर्णी बताते हैं कि आर्थराइटिस एक पेनफुल प्रोसेस है।

लिक्विड लिपस्टिक लगाते वक्त इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

इस समय लड़कियों के बीच लिक्विड लिपस्टिक काफी लोकप्रिय हो रही है और यह सबसे ज्यादा यूज होने वाले ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में से एक बन गई है। जिन्हें भी मेकअप का शौक है, उनके बैग में कम से कम एक लिक्विड लिपस्टिक जरूर मिल जाएगी। अन्य लिपस्टिक की अपेक्षा ये ज्यादा समय तक टिकती है और इसका कलर भी काफी इन्टेस होता है। इसका एक कोट ही आपके लिप्स को बेहद खूबसूरत कलर देता है। अगर आप भी लिक्विड लिपस्टिक की शौकीन हैं तो इन बातों को जरूर फॉलो करें...

इसमें समय लगता है

बाकि लिपस्टिक्स की तरह इसे झटपट नहीं लगाया जा सकता। लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय आपको धैर्य रखने की जरूरत होती है। इसे आप जल्दबाजी में कभी न लगाएं। इसे लगाते वक्त समय लें ताकि प्रॉपर आउटलाइन और फिनिशिंग दे सकें।

मेकअप करना न भूलें

लिक्विड लिपस्टिक काफी पिगमेंटेड होती है, इसलिए इसे लगाने के साथ-साथ मेकअप करना भी जरूरी हो जाता है। मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन लगाएं और अच्छी तरह से मेकअप करें ताकि देखने में अजीब न लगे।

आप लिपस्टिक की मैचिंग का ब्लश भी यूज कर सकती हैं।

ज्यादा लिपस्टिक न लगाएं

लिक्विड लिपस्टिक का एक कोट काफी होता है। एक्सट्रा पिगमेंटेशन से बचने के लिए लिपस्टिक लगाने से पहले एकस्ट्रा लिपस्टिक स्टिक से हटा दें। इससे आपके लिप्स को टेक्सचर भी मिलेगा और एकस्ट्रा लिपस्टिक पर कंट्रोल भी रहेगा। ड्रमैटिक लुक के लिए आप लिपस्टिक की एक्सट्रा कोट्स लगा सकती हैं।

होंठों को मॉइश्चराइज करें

अगर आप के होंठ अक्सर सूखे और फटे रहते हैं तो लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को मॉइश्चराइज जरूर करें। इससे आपके होंठ हाइड्रेटेड रहेंगे। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर लिप बाम लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद ही लिक्विड लिपस्टिक लगाएं।

निचले होंठ पर पहले लगाएं लिपस्टिक

लिपस्टिक लगाने का सबसे अहम रूल है कि लिपस्टिक सबसे पहले निचले होंठ पर लगाएं और फिर दोनों होंठों को एकसाथ प्रेस करें जिससे की लिरस्टिक आपस में मिल जाए। लिप ब्रश या लिप लाइनर से होंठों को अच्छी तरह से शेप दें। ये ध्यान रखें कि लिप लाइनर का कलर लिपस्टिक से एक शेड डार्क होना चाहिए।

सिर्फ फटे होंठ पर ही नहीं, पेट्रोलियम जेली को ऐसे भी कर सकती हैं यूज

पेट्रोलियम जेली के हैं कई फायदे

अगर आप किसी ऐसे प्रॉडक्ट की तलाश में हैं जो आपके मेकअप को हटा सके और इसकी कीमत भी ज्यादा न हो तो इसके लिए आपको इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम जेली ये काम तुरंत कर सकती है। इससे आपकी स्किन में जलन और इरिटेशन भी नहीं होगी , ये जेली सेन्सटिव स्किन के लिए भी बिल्कुल सेफ है। अक्सर लोग पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल मॉइश्चराइजर के तौर पर ही करते हैं लेकिन बहुत ही कम लोगों को पता है कि स्किन के लिए इसके और भी कई फायदे हैं।

दोमुंहे बालों के लिए - हम अपने बालों को खूबसूरत और मजबूत बनाने के लिए क्या-क्या नहीं करते हैं लेकिन फायदा बहुत कम ही देखने को मिलता है। आजकल पलूशन की वजह से या हेयर स्टाइलिंग के लिए हीट के इस्तेमाल से बाल कमजोर और दोमुंहे हो रहे हैं। इसके अलावा सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणों से भी बाल डैमेज हो जाते हैं। अगर आप बालों के सिरों पर पेट्रोलियम जेली लगाती हैं तो दोमुंहे बाल कम होने के साथ-साथ आपके बाल चमकदार भी होंगे। इसके लिए अपने हथेलियों के बीच में थोड़ा-सा पेट्रोलियम जेली लेकर रगड़ें और बाल के सिरों पर लगा लें , रिजल्ट्स आपको जल्द ही दिखने शुरू हो जाएंगे।

हेयर डाई से स्किन पर लगने वाले धब्बे से बचाए - ये पेट्रोलियम जेली का सबसे असरदार फायदा है। हेयर डाई से स्किन को बचाने के लिए या स्किन पर धब्बा न लगे इसके लिए पेट्रोलियम जेली को अपने बालों में लगाएं। अगर नेल पॉलिश लगाते समय भी नेल पॉलिश आपके नाखून के बाहर स्किन पर लग जाए तो आप इसे पेट्रोलियम जेली की मदद से आसानी से हटा सकती हैं।

रेजर बर्न से राहत - रेजर से पैरों के बाल शेव करने से पहले थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली को अपने फ्रिजर में रख दें। शेव करने के बाद इस ठंडी जेली को पैरों पर हल्के हाथों से लगाएं। इससे आपको ठंडक मिलेगी , स्किन को नमी मिलेगी और स्किन सॉफ्ट होने के साथ-साथ ग्लोइंग भी होगी।

हाईलाइटर के तौर पर यूज - स्किन के नैचरल ग्लो के लिए तो पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन शायद आपको पता न हो कि इसका इस्तेमाल आप हाईलाइटर के तौर पर भी कर सकती हैं। इसके लिए अपने गालों के ऐपल और ब्रो बोन्स पर थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली लगाएं और आपको एक सॉफ्ट ग्लो देखने को मिलेगा। इसके लिए आपको मंहगे प्रॉडक्ट यूज करने की जरूरत नहीं है।

हेल्थ के लिए खतरनाक है ग्लूटन, जानें नुकसान से लेकर बचाव तक सबकुछ

सीलिएक बीमारी, वीट इंटॉलरंस और ग्लूटन की बातें अब अपने देश के लोगों को भी कुछ परेशान करने लगी हैं। कुछ हद तक भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि गेहूं अचानक दुश्मन कैसे हो गया? इस विषय पर देसी और विदेशी एक्सपर्ट्स से बात कर पूरी जानकारी दे रहे हैं लोकेश के. भारती:

क्या आप जानते हैं कि ग्लूटन होता क्या है और यह क्यों खतरनाक है? दरअसल ग्लूटन गेहूं, जौ और जई (बार्ली) जैसे अनाजों में मिलने वाला एक प्रोटीन है। ग्लूटन में कई तरह के तत्व होते हैं। उनमें से एक है ग्लियाडिन (Gliadin)। ग्लूटन इसी ग्लियाडिन की वजह से खतरनाक बनता है यह सीलिएक और ग्लूटन से एलर्जी रखने वालों के लिए हानिकारक है। जब कोई ग्लूटन सेंसिटिव शख्स ग्लूटन प्रॉडक्ट खाता है तो शरीर ग्लूटन को अपना दुश्मन समझने लगता है। असल परेशानी यही से शुरू होती है। इसकी वजह से शरीर में कई तरह की समस्याएं पैदा होने लगती हैं। कुछ लोग बचपन से ही ग्लूटन को लेकर सामान्य नहीं होते। जिन्हें सीलिएक बीमारी होती है, उनमें ग्लूटन प्रोटीन पूरी तरह से पच नहीं पाता और इससे छोटी आंत की म्यूकोसा लेयर को नुकसान पहुंचता है। इससे उसमें छोटे-छोटे सुराख हो जाते हैं। इस वजह से खाना पचता नहीं है और कई दूसरी तरह की समस्याएं भी हो जाती हैं। यह जन्मजात होती है।

लक्षण - इसके पेशंट की लंबाई कम होती है, वजन नहीं बढ़ पाता। उनमें डायरिया, एनीमिया और हड्डियों की कमजोरी जैसे लक्षण हो सकते हैं। नोट: यहां एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि इस तरह के लक्षण दूसरी बीमारियों के भी हो सकते हैं, इसलिए स्पेशलिस्ट डॉक्टर को दिखाने और टेस्ट कराने के बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचा जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यामी गौतम और सनी कौशल ने पहली बार मिलाया हाथ

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम इंडस्ट्री की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक है। यामी कई तरह की फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आ चुकी है। वहीं बात करें एक्टर सनी कौशल की, तो 'शिद्दत' और 'क्या यहीं प्यार है' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई। यामी गौतम और सनी कौशल पहली बार स्क्रीन शेयर करने जा रहे है। जल्द ही यह दोनों एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले है। यामी गौतम और सनी कौशल पहली बार एक दूसरे के साथ एक फिल्म में काम करने जा रहे है। वहीं अब दोनों की इस फिल्म का नाम भी सामने आ गया है। फिल्म 'चोर निकल के भागा' में यामी और सनी की जोड़ी दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। माना जा रहा है कि दोनों की यह फिल्म एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म होने वाली है। एक्ट्रेस यामी गौतम ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन फोटोज में यामी और सनी साथ में नजर आ रहे है। इस पोस्ट के साथ यामी कैप्शन में लिखती है, चोर निकल के भागा, पर कहां? जल्द ही हम आपको नेटफ्लिक्स पर बताएंगे। इस खबर से अब यामी के फैंस काफी एक्साइटेड है और पहली बार उन्हें सनी कौशल के साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। यामी गौतम और सनी कौशल की फिल्म 'चोर निकल के भागा' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

रणवीर को दीपिका के साथ देखकर जलते हैं टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड के नए एक्शन हीरो के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाने वाले टाइगर श्रॉफ सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ अपनी फिटनेस वीडियो और वर्क आउट वीडियो शेयर करते रहते हैं। जिन्हें फैंस काफी पसंद करते है और एक्टर की खूब तारीफ भी करते हैं। जल्द ही टाइगर श्रॉफ फिल्म मेकर करण जौहर के फेमस शो कॉफी विद करण में बतौर मेहमान शिरकत करने वाले है जहां एक्टर अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ें कई खुलासे करते दिखने वाले हैं। दरअसल, करण जौहर के चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण 7' के 9वें एपिसोड में टाइगर श्रॉफ और अभिनेत्री कृति सेनन मेहमान बनकर आने वाले हैं। टाइगर और कृति के एपिसोड का प्रोमो वीडियो भी जारी हो चुका है जो काफी मजेदार है। प्रोमो वीडियो से ही जाहिर हो चुका है कि इस बार का एपिसोड काफी धमाकेदार होने वाला है। ये एपिसोड बुधवार को रात 12 बजे डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर प्रसारित होगा। बता दें कि करण जौहर अपने शो में सेलेब्स की पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर सवाल पूछते हैं। वह अपने इस बार के मेहमानों से भी सवाल पूछते नजर आए। प्रोमो में इसकी झलक देखने को मिली है। प्रोमो में करण जौहर इस बार के गेस्ट टाइगर श्रॉफ से पूछते नजर आए हैं कि उन्हें एक्टर रणवीर सिंह की किस बात से ईर्ष्या है? इस पर टाइगर ने तुरंत दीपिका पादुकोण का नाम लिया। इस पर करण जौहर हंस पड़े तो टाइगर ने कहा कि वो बहुत टैलेंटिड हैं। बहुत प्रिटी हैं। गौरतलब है कि दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बी टाउन के पावर कपल हैं, जो फैंस के मोस्ट फेवरेट हैं।

शाहरुख खान ने ठुकराई फरहान अख्तर की डॉन 3

शाहरुख खान पिछले काफी वक्त से अपने कमबैक को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी वक्त से एक्टर और डायरेक्टर फरहान अख्तर डॉन 3 की स्क्रिप्ट पर पिछले काफी समय से काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि शाहरुख खान को डॉन 3 की स्क्रिप्ट दी गई थी और उन्होंने इसे ठुकरा दिया। जानकारी के मुताबिक, ऐसा नहीं है कि शाहरुख खान को स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई। बात सिर्फ इतनी है कि शाहरुख पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे। इस समय बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्मों को लगातार असफलता का सामना करना पड़ रहा है। इस महीने रक्षाबंधन के खास मौके पर रिलीज हुई सुपरस्टार आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' और अक्षय कुमार की 'रक्षाबंधन' बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। लगातार बायकॉट ट्रेंड को देखने के बाद शाहरुख खान ने 'डॉन 3' से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। खबर के मुताबिक प्रेजेंट टाइम को देखते हुए अभिनेता ने फिल्म को करने से मना कर दिया है।